मृदुला सिन्हा

वैचारिक विविधता

डॉ. अश्विनी सचिन सदावर्ते

मृदुला सिन्हा के साहित्य का अध्ययन करते समय कुछ विषय ऐसे थे कि उन विषयों पर शोध-पत्र लिखने का सफल प्रयास किया गया तथा उन आलेखों पर विशेषज्ञों की राय ली गई। कई विषय ऐसे हैं जिन विषयों पर गहराई से चर्चा की गई है। लेखिका मृदुला सिन्हा के साहित्य का अध्ययन करते समय ही कुछ सत्यताओं पर नए सीरे से ध्यान गया। उनपर अपने विचार रखने का सार्थक प्रयास किया गया। हर एक शोधालेख सखोल अध्ययन तथा चिंतन का परिणाम है।

मृदुला सिन्हा के साहित्य के माध्यम से उनसे चर्चित अनेक सामाजिक समस्याओं का ज्ञान मिलता है। हिन्दी साहित्य जगत में अनेक साहित्यकारों ने सामाजिक विषयों के बारे में कई ऐसी बातें लिखि हैं जो समय की प्रासंगिकता दर्शाती है।

लेखिका मृदुला सिन्हा बचपन से ही लेखन कार्य में रुचि रखती थी। उनसे रचित कहानी-संग्रह हो या कोई उपन्यास हो, हर पात्र के माध्यम से यह ज्ञात होता है कि उन्होंने हर एक पात्र को अपने जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

लेखिका ने अपने लेखन कार्य को हमेशा से जिया है। मृदुला सिन्हा जी राजनीति में भी सक्रिय होने के कारण उन्होंने अपने नीति मूल्यों को अपने साहित्य में यथासंभव स्थान दिया है।

प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से मैंने अपने लिखे कुछ चुनिंदा शोधालेखों का संकलन कर उसे पुस्तक के रूप में एकसंध रखने का प्रयास किया है ताकि भविष्य में यदि किसी कहानी या उपन्यास पर चर्चा हो तो उसका मूल्यांकन सही दिशा में हो। आशा करती हूँ यह पुस्तक मेरे शोधकार्य का आईना साबित हो।

विषय-सूची

	मनोगत	*(v)*
1.	सामाजिक विविधता से संपन्न कहानियाँ	1
2.	मृदुला सिन्हा की कहानियों में परिलक्षित सामाजिक समस्याएँ	13
3.	वृद्धावस्था: एक अनोखा सफर	28
4.	"विजयिनी" उपन्यास में नारी शक्ति	40
5.	मृदुला सिन्हा की कहानियों में चित्रित पुरुष पात्र	51
6.	"अतिशय" उपन्यास में चित्रित स्त्री	60
7.	सहनशीलता की पराकाष्ठा, "परितप्त लंकेश्वरी"	67
8.	स्त्री चिंतन से भरपूर	74
9.	मृदुला सिन्हा के साहित्य में सामाजिक पक्ष एवं स्थितियाँ	81
10.	'ज्यों मेहंदी को रंग' में अपंगों की समस्या	88

डॉ. अश्विनी सचिन सवावर्ते का जन्म 5 फरवरी को महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर जिले के अंतर्गत एक पुरोहित परिवार में हुआ। आपकी स्नातक तक की शिक्षा पुणे स्थित एस.एन.डी.टी महाविद्यालय में संपन्न हुई। तत्पश्चात् बैंगलोर महाविद्यालय से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त कर आपने शिक्षा क्षेत्र में सन् 2007 में अध्यापक के रूप में कदम रखा। बैंगलोर में स्थित रेवा विश्वविद्यालय से आपने पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की।

आपने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अनेक प्रपत्र प्रस्तुत किए है, जो प्रकाशित भी हो चुके है। आप पिछले 18 साल से बैंगलोर में निवास कर रही हैं। आप मराठी, हिंदी, अंग्रेजी तथा कन्नड भाषा का ज्ञान रखती हैं।

वर्तमान कार्यस्थल : सौंदर्या इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एन्ड सायंस, बैंगलोर।

978-81-95926915

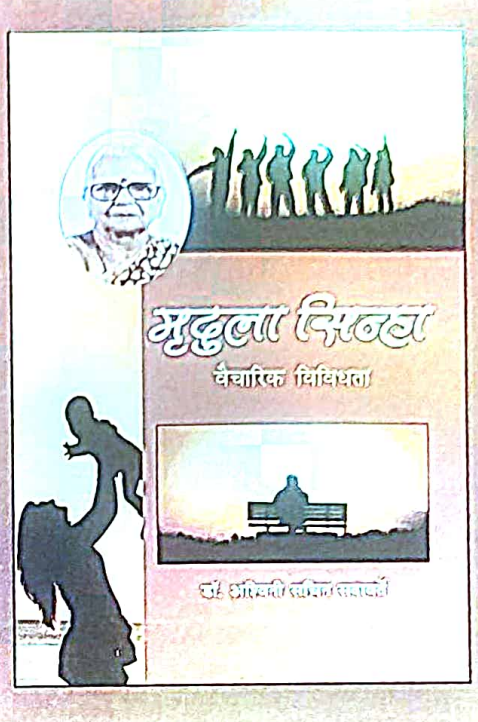

अखण्ड पब्लिशिंग हाउस
www.akhandbooks.in

ISBN 978-81-959269-8-5
9 788195 926985
₹295